

HINDI AS A SECOND LANGUAGE

Paper 0549/01
Reading and Writing

Key messages

The candidates were generally well prepared for the examination, their performance varied from excellent to a few unsatisfactory. Most candidates answered all questions best to their ability. Candidates are increasingly responding to questions in their own language with minimum lifting from the text. In order to raise the standards, candidates need to ensure to:

Pay more attention to spellings, vocabulary and grammatical structures.

Follow the word limit prescribed for each question.

Read the question carefully before answering it.

Comments on specific questions

Section A

Exercise 1 Questions 1–6

Candidates read a passage to identify and select relevant information, show understanding of the connection between ideas, opinions and attitudes and understand what is implied but not directly stated. The answers can be one word/short phrase.

Questions 1–5 are answered well by a majority of candidates. Some candidates have missed the point that Sarojini Naidu was the first Indian lady to have become the president of Indian national Congress. **Question 6** is answered correctly by only a very small number of candidates. Candidates had to infer the answer from the text as it was not directly stated, which is found to be too challenging for most of them.

Exercise 2 Questions 7–15

Multiple matching: candidates read a series of short paragraphs followed by a series of sentences, then match each sentence to one of the paragraphs. The good candidates have performed well, but some weaker candidates have found **Question 10** challenging.

Exercise 3 Questions 16–19

Candidate read a longer text and make brief notes under a number of given headings. Most candidates have performed well in this exercise. Candidates have mostly engaged well with the topic of cause and effects of pollution. The sentence 'हाल के दशकों में' is misunderstood by many of them as one of the pollutants in homes.

Exercise 4

Question 20 – Candidates write a paragraph-length summary of no more than 100 words about an aspect of the text in exercise 3. Exercise 4, 5 and 6 assess their reading and writing abilities so Language marks are awarded separately from the content marks. Most candidate have managed to adhere to the prescribed word limit while summarising the main points from the text. The weaker candidates tend to lift big chunks of the text which does not show their own writing skills or ability to identify the main points of a text.

Exercise 5

Question 21 – Candidates write a short functional prose of approximately 120 words as a note in response to a series of 3 prompts. Candidates have mostly performed well in this task and produced notes to address all three prompts in separate paragraphs. However, their written work has errors in spelling of everyday vocabulary and grammatical structures. It is also important to stick to the word limit of the task.

Exercise 6

Question 22 – Candidates write a longer piece of continuous prose of approximately 200 words. The topic is found to be engaging for almost all the candidates. Some scripts have included candidates' strong views for/against the given statement and make good reading. Most candidates have discussed both sides of the given statement and provided a logical conclusion. The quality of written work is variable. More attention to spelling and a range of correct grammatical structures will further raise the standards of IGCSE Hindi as a second language.

Based on the analysis of the scripts, some areas of strength and weakness are as follows:

Almost all the questions are attempted by a majority of candidates.

Summary writing skill is generally improved.

Candidates show some understanding of basic grammar and vocabulary but need more practice with complex structures and expressions. Additionally, they will benefit from more guidance on organizing their thoughts and ideas cohesively. Some of the common spelling errors occur due to incorrect use of short and long vowels in words such as, की, कि, (खेतों कि फसल (खेतों की फसल), इसलीए (इसलिए), जल बचाने कि ज़रूरत (जल बचाने की ज़रूरत), नदीयों (नदियों) Some spelling errors completely change the meaning of words, such as, फसल सुख जाती है (सूख जाती है), पड़ता (पढ़ता), दाल (डाल), ताला (टाला), सूना (सुना), दीया (दिया). Correct spelling of common vocabulary and grammatical structure will further raise the standards in this syllabus.

हिंदी द्वितीय भाषा के रूप में

पेपर 0549/01

पठन और लेखन

मुख्य सन्देश

अधिकांश परीक्षार्थी परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार थे। परीक्षार्थियों ने अपनी क्षमता के अनुसार सभी प्रश्नों के उत्तर दिए। परीक्षार्थी उत्तरोत्तर प्रश्नों के उत्तर लिखते समय आलेख के वाक्यों को ज्यों का त्यों उतारने की अपेक्षा अपनी भाषा में लिख रहे हैं। श्रेष्ठ उत्तरों में परीक्षार्थियों ने:

- वर्तनी, शब्दावली और व्याकरणिक संरचनाओं पर अधिक ध्यान दिया।
- प्रत्येक प्रश्न के लिए निर्धारित शब्द सीमा का पालन किया।
- उत्तर देने से पहले प्रश्न को ध्यान से पढ़ा।

विशिष्ट प्रश्नों पर टिप्पणियाँ

भाग ए

अभ्यास 1 प्रश्न 1-6

परीक्षार्थी प्रासंगिक सूचना की जानकारी और चयन करने के लिए एक गद्यांश पढ़ते हैं, भावनाओं, विचारों और दृष्टिकोणों के बीच संबंध की समझ दिखाते हैं और यह समझते हैं कि क्या निहित है लेकिन सीधे तौर पर नहीं कहा गया है। उत्तर एक शब्द या एक छोटा वाक्यांश हो सकता है।

प्रश्न 1-5 का उत्तर अधिकांश परीक्षार्थियों द्वारा अच्छी तरह से दिया गया है। कुछ परीक्षार्थी यह नजरंदाज कर गए कि सरोजिनी नायडू भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की अध्यक्ष बनने वाली पहली भारतीय महिला थीं। प्रश्न 6 का उत्तर बहुत ही कम परीक्षार्थियों द्वारा सही दिया गया। परीक्षार्थियों को पाठ के आधार पर निष्कर्ष निकाल कर उत्तर देना था। यह सीधे तौर पर नहीं कहा जाने के कारण उनको चुनौतीपूर्ण लगा।

अभ्यास 2 प्रश्न 7-15

एकाधिक मिलान: परीक्षार्थी कुछ छोटे अनुच्छेदों की एक श्रृंखला पढ़ने के बाद कुछ वाक्य पढ़ते हैं। फिर प्रत्येक वाक्य को किसी एक अनुच्छेद से मिलाते हैं। कुछ कमजोर परीक्षार्थियों के लिए प्रश्न 10 चुनौतीपूर्ण रहा।



अभ्यास 3 प्रश्न 16–19

परीक्षार्थी एक लंबा आलेख पढ़ते हैं और दिए गए कई शीर्षकों के तहत संक्षिप्त नोट्स बनाते हैं। अधिकांश परीक्षार्थियों ने इस अभ्यास में अच्छा काम किया है। उन्होंने प्रदूषण के कारण और प्रभाव के विषय पर अच्छी तरह से संक्षिप्त नोट बनाए हैं। कुछ परीक्षार्थी 'हाल के दशकों में' वाक्यांश का अर्थ नहीं समझ सकने के कारण उसे घर के भीतर के प्रदूषक तत्वों में से एक मान बैठे।

अभ्यास 4

प्रश्न 20 – परीक्षार्थी अभ्यास 3 के आलेख के किसी पहलू का सारांश अधिकतम 100 शब्दों में लिखते हैं। अभ्यास 4, 5 और 6 उनके पढ़ने और लिखने की क्षमताओं का आकलन करते हैं इसलिए भाषा के अंक कथ्य के अंकों से अलग से दिए जाते हैं। अधिकांश परीक्षार्थी आलेख से मुख्य बिंदुओं का सारांश करते समय निर्धारित शब्द सीमा का पालन करने में सफल रहे हैं। कमजोर परीक्षार्थियों ने आलेख के बड़े हिस्से को उतार लिया जो उनके स्वयं के लेखन कौशल या आलेख के मुख्य बिंदुओं को समझने की क्षमता नहीं दिखाते हैं।

अभ्यास 5

प्रश्न 21 – तीन बिंदुओं की एक श्रृंखला के जवाब में परीक्षार्थी एक नोट के रूप में लगभग 120 शब्दों का एक छोटा उपयोगी गद्य लिखते हैं। अधिकतर परीक्षार्थियों ने प्रश्न को सफलता से किया है और तीनों बिंदुओं को अलग-अलग अनुच्छेद में संबोधित किया है। हालाँकि, कुछ परीक्षार्थियों के लिखित कार्य में दैनिक जीवन की शब्दावली और व्याकरणिक संरचनाओं की वर्तनी में त्रुटियाँ हैं। प्रश्न की निर्धारित शब्द सीमा का पालन करना भी आवश्यक है।

अभ्यास 6

प्रश्न 22 – परीक्षार्थी लगभग 200 शब्दों की लंबी गद्य रचना लिखते हैं। यह विषय लगभग सभी परीक्षार्थियों को आकर्षक लगा। कुछ उत्तरों में दिए गए कथन के पक्ष/विपक्ष में परीक्षार्थियों के सुनिश्चित विचार शामिल हैं जो पढ़ने में रोचक हैं। अधिकांश परीक्षार्थियों ने दिए गए कथन के दोनों पक्षों पर चर्चा की है और एक तर्क सम्मत निष्कर्ष प्रदान किया है। सभी लिखित कार्य की गुणवत्ता एक समान नहीं थी। कमजोर उत्तरों में वर्तनी और सही व्याकरणिक संरचनाओं पर अधिक ध्यान देने से सुधार होगा।

सभी उत्तरों के विश्लेषण के आधार पर शक्ति और दुर्बलता के कुछ क्षेत्र इस प्रकार हैं:

सभी परीक्षार्थियों ने अधिकांश प्रश्नों का उत्तर दिया है।

सारांश लेखन कौशल में साधारणतः प्रगति हुई है।

परीक्षार्थी बुनियादी व्याकरण और शब्दावली की कुछ समझ दिखाते हैं लेकिन जटिल संरचनाओं और अभिव्यक्तियों के साथ अधिक अभ्यास की आवश्यकता होती है। कुछ कमजोर परीक्षार्थी अपने विचारों और भावनाओं को सुगठित रूप से नहीं प्रस्तुत कर सके। शब्दों की वर्तनी में लघु और दीर्घ स्वरों के गलत प्रयोग के कारण त्रुटियाँ हो जाती हैं, जैसे कि / की, (उदाहरण - खेतों कि फसल (खेतों की फसल), इसलिये (इसलिए), जल बचाने कि ज़रूरत (जल बचाने की ज़रूरत), नदियों (नदियों)। कुछ वर्तनी की त्रुटियाँ शब्दों के अर्थ को पूरी तरह से बदल देती हैं, जैसे, फसल सुख जाती है (सूख जाती है), पड़ता (पढ़ता), दाल (डाल), ताला (टाला), सूना (सुना), दिया (दिया) इत्यादि।



HINDI AS A SECOND LANGUAGE

Paper 0549/02

Key messages

In order to do well in this examination, candidates should:

- Write their answers as clearly as possible so that the meaning can be understood.
- Take care to include all the relevant details in their answers to the questions in **Exercise 3**.

General comments

Overall, candidates performed quite well in this examination and the full range of ability was observed. Most candidates attempted all the questions in the paper.

For this component, credit is given for communication of the correct information. Answers are not assessed for accuracy of spelling and grammar. However, if language errors change the meaning or the meaning is unclear, the answer cannot be given credit.

Comments on specific questions

Exercise 1 – Questions 1–6

The majority of candidates performed reasonably well on this exercise. **Questions 1–6** require short answers, and most candidates fared well. There were variations in spelling of some words. Some of the words are part of basic vocabulary and candidates are expected to be able to spell them correctly. Marks were awarded if the misspelt word did not change the meaning, but not for answers where it changed the meaning such as, for example, instead of 'naami' – famous person candidates wrote 'nani' which means grandmother.

Question 1

This was mostly answered correctly, some variations in the spelling of नामी. Marks were awarded if the misspelt word did not change the meaning.

Question 2

Most of the candidates answered correctly.

Question 3

Required words were व्यस्त था या खाली नहीं था। Most of the candidates achieved the mark in this question.

Question 4

There were many variations of this word. Marks were awarded if the misspelt word did not change the meaning. This was accessible to the majority of candidates.

Question 5

Some candidates answered correctly with spelling errors, however some lost their mark because they wrote बाग, भाग instead of - बाघ

Question 6

Some candidates answered correctly but some lost the marks writing only जूते instead of सही जूते या चढ़ाई के लिए सही जूते।

Question 7(i)–(viii)

Candidates were required to fill in the blank spaces with the appropriate word. There was a variation of answers in this section but most candidates picked up the words from the audio well and answered the question properly and score the marks. As in the previous section, accuracy of spelling was a major issue. There were too many variations in spelling of words like in प्रगतिशील, स्थाई, साहित्य, और कभी। **Question 7(ii)** was the most challenging. A very few candidates gained the mark in this question.

Questions 8–15

These questions were intended to be more challenging. Attention to detail and use of precise vocabulary were both required. Some still offered one or two-words answers with insufficient detail which led to marks being lost.

Question 8

Most of the candidates were able to answer this question but weaker candidates were not able to answer the question correctly.

Question 9

Majority of the candidates answered well in this section as they chose the correct wording to fit in.

Question 14

Many candidates achieved a mark in this section successfully.

Question 15

This was mostly answered well with variations in spelling.

Questions 16–23

Q16–23: Were multiple choice questions, candidates needed to select the correct answer out of three choices. Most candidates managed to score marks. Some candidates ticked and crossed in more than one box and lost marks.

There were a very few of candidates who didn't attempt the questions. Most candidates got on an average 3–4 questions ticked correctly but the main questions that candidates answered incorrectly were **19, 20, 21** and **23** this shows that they found these questions difficult to have correct answer.

Summary

Candidates should listen to the recording very carefully and develop techniques and strategies to enable them to identify and select appropriate detail for their answers. There is a need to work on emerging Hindi vocabulary to access some questions and also to focus on sounds and letters, paying particular attention to similar sounding letters. Teachers should also try dictation activities with their pupils regularly in class. Candidates should gain as much practice as possible at listening exercises in class and attempt past papers under timed conditions. This would certainly help to raise the overall standard.

श्रवण पेपर दूसरी भाषा के रूप में

प्रश्न-पत्र 0549/02

हिन्दी रिपोर्ट

विशेष टिप्पणी

इस परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने के लिये परीक्षार्थियों का चाहिये कि :

- जितना हा सके उत्तर उतना स्पष्ट लिखे जिस से अर्थ समझ में आ सके।
- अभ्यास 3 के प्रश्नों के उत्तर में ध्यान पूर्वक सभी सम्बन्धित विस्तार दें।

सामान्य टिप्पणी

कुल मिलाकर, परीक्षार्थियों ने इस परीक्षा में काफी अच्छा प्रदर्शन किया और क्षमता की पूरी श्रृंखला देखी गई। अधिकांश परीक्षार्थियों ने पेपर में सभी प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास किया है।

इस पेपर में सही जानकारी के सम्प्रेषण पर अंक दिये गये हैं। वर्तनी और व्याकरण की त्रुटि के आधार पर जवाब का मूल्यांकन नहीं किया गया फिर भी यदि भाषा त्रुटि से शब्दार्थ बदल जाए या अर्थ स्पष्ट न हो तो अंक नहीं दिये गए।

विशिष्ट प्रश्नों पर टिप्पणियाँ

अभ्यास 1 प्रश्न 1-6

अधिकांश परीक्षार्थियों ने इस अभ्यास का यथाचित प्रदर्शन किया। प्रश्न 1-6 के लिए संक्षिप्त उत्तरों की आवश्यकता होती है, और अधिकांश परीक्षार्थियों ने इसे प्रदान किया। कुछ शब्दों की वर्तनी में अंतर था। कुछ शब्द बुनियादी शब्दावली का हिस्सा हैं और आशा की जाती है कि वे उन्हें सही ढंग से लिखने में सक्षम होंगे। यदि गलत शब्द का अर्थ नहीं बदला तो अंक दिए गए, लेकिन उन उत्तरों के लिए नहीं जहाँ इसने अर्थ बदल दिया, उदाहरण के लिए, 'नामी' जिस का अर्थ है प्रसिद्ध व्यक्ति, कुछ परीक्षार्थियों ने 'नानी' लिखा जिस से शब्द का अर्थ बदल गया।

प्रश्न 1

इसका ज्यादातर सही उत्तर दिया गया था, नामी की वर्तनी में कुछ बदलाव देखे गए थे। गलत वर्तनी वाले शब्द का अर्थ न बदलने पर अंक दिए गए थे।

प्रश्न 2

ज्यादातर परीक्षार्थियों ने सही ढंग से उत्तर दिए थे।



प्रश्न 3

शब्दों की वर्तनी में भिन्नता थी पर आवश्यक शब्द व्यस्त थे या खाली या खाली नहीं थे। अधिकांश ने इस प्रश्न में अंक प्राप्त किए।

प्रश्न 4

इस शब्द के कई रूप थे। गलत वर्तनी वाले शब्द का अर्थ न बदलने पर अंक दिए जाते थे। अधिकांश परीक्षार्थियों द्वारा इसका सफलतापूर्वक उत्तर दिया गया था।

प्रश्न 5

कुछ परीक्षार्थियों ने वर्तनी की त्रुटियों के साथ सही उत्तर दिया, हालांकि कुछ ने अपना अंक खो दिया क्योंकि उन्होंने टाइगर के बजाय बाग, या भाग लिखा था।

प्रश्न 6

कुछ परीक्षार्थियों ने सही उत्तर दिया लेकिन कुछ ने सही जूते या चलने के लिए सही जूते के बजाय केवल जूते लिखने से अंक खो दिए।

प्रश्न 7 (i) to (viii)

परीक्षार्थियों को रिक्त स्थानों को उचित शब्द से भरना था। इस खंड में उत्तरों में भिन्नता थी लेकिन अधिकांश परीक्षार्थियों ने ऑडियो से शब्दों को अच्छी तरह से उठाया और प्रश्न का उत्तर दिया और अंक प्राप्त किए। वर्तनी की सटीकता सबसे सफल प्रतिक्रियाओं की एक विशेषता थी। शब्दों की वर्तनी में बहुत अधिक विविधताएँ थीं जैसे प्रगतिशील, स्थाई, साहित्य और कभी। प्रश्न 7(ii) सबसे चुनौतीपूर्ण था। इस प्रश्न में बहुत कम ने अंक प्राप्त किए।

प्रश्न 8-15

ये प्रश्न पिछले वाले की तुलना में अधिक चुनौतीपूर्ण थे। विवरण पर ध्यान देना और सटीक शब्दावली का उपयोग दोनों आवश्यक थे। कुछ ने अभी भी अपर्याप्त विवरण के साथ एक या दो शब्दों के उत्तर की पेशकश की जिसके कारण कमजोर प्रतिक्रियाएँ हुईं।

प्रश्न 8

अधिकांश परीक्षार्थी इस प्रश्न का सही उत्तर देने में सफल रहे।

प्रश्न 9

अधिकांश परीक्षार्थियों ने इस खंड में अच्छा उत्तर दिया क्योंकि उन्होंने फिट हाम्मे के लिए सही शब्द चुना।

प्रश्न 10-11

कुछ परीक्षार्थी सही उत्तर देने में सफल रहे। कुछ ने व्याकरण और वर्तनी की त्रुटियों के कारण अपना अंक खो दिया।

प्रश्न 12

कुछ परीक्षार्थियों ने सही उत्तर दिया, जहाँ कुछ ने प्रश्न दोहराया या उन्होंने गलत उत्तर दिया।

प्रश्न 13

अधिकांश परीक्षार्थियों ने सही उत्तर दिया लेकिन वर्तनी की त्रुटियों के साथ। ऐसे कई उम्मीदवार थे जिन्होंने अलग-अलग शब्दों का चयन किया, जो उपयुक्त उत्तर नहीं था। जैसे बड़े, बातचीत, हरकते, बात-चाल।

प्रश्न 14

कई परीक्षार्थियों ने इस खंड में सफलतापूर्वक अंक हासिल किया।

प्रश्न 15

वर्तनी में बदलाव के साथ इसका ज्यादातर सही उत्तर दिया गया था।

प्रश्न 16-23

बहुविकल्पीय प्रश्न थे। परीक्षार्थियों को तीन विकल्पों में से सही उत्तर का चयन करना था। अधिकांश परीक्षार्थी अंक हासिल करने में सफल रहे। कुछ परीक्षार्थियों ने एक से अधिक बॉक्स पर टिक किया और अंक खो दिए। बहुत कम परीक्षार्थी ऐसे थे जिन्होंने प्रश्नों का उत्तर देने का प्रयास नहीं किया। अधिकांश उम्मीदवारों को औसतन 3-4 प्रश्न सही उत्तर मिले। जिन मुख्य प्रश्नों के परीक्षार्थियों ने गलत उत्तर दिए वे 19, 20, 21 और 23 थे।

सारांश

सारांश परीक्षार्थियों को रिकॉर्डिंग को बहुत ध्यान से सुनना चाहिए और तकनीकों और रणनीतियों को विकसित करना चाहिए ताकि वे अपने उत्तरों के लिए उपयुक्त विवरण की पहचान और चयन कर सकें। कुछ प्रश्नों तक पहुँचने के लिए उनकी हिंदी शब्दावली को बढ़ाने पर काम करने की आवश्यकता है तथा ध्वनियों और अक्षरों पर भी ध्यान केंद्रित करने की व समान लगने वाले अक्षरों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

HINDI AS A SECOND LANGUAGE

Paper 0549/03 Speaking

Key messages

The Speaking test is an optional component and has three parts:

Part 1: Candidates give a 2–3-minute presentation on a topic chosen from the list of topics prescribed in the Syllabus. Candidates may prepare a single cue card, containing a maximum of five headings and some illustrative material to bring into the examination room. Any additional written support or script for their presentation is not allowed.

Part 2: Candidates have 3–4-minute discussion with the examiner about the Presentation to further assess their knowledge and understanding of their prepared topic in an interactive manner.

Part 3: Candidates engage in a 3–4-minute conversation with the examiner about at least two general topics from the syllabus (one from areas A–B and one from areas C–E). Candidates are not given prior information/choice about the topics.

General Comments

Most candidates performed well in the Speaking test in this year's examination. Candidates who did well were well prepared for the three-part examination and followed the guidelines set out. If a large number of candidates appear from a centre and several internal examiners are engaged in the assessment process, it is important to ensure consistency of approach in them. Some examiners introduced the candidates, explained the composition of three-part examination and gave them the opportunity to perform best to their ability without prompting, interrupting or attempting to complete their sentences for them. This showed best practice by the examiners.

The recordings were consistently of a good quality.

Comments on Specific Questions

Part 1: Topic Presentation

Candidates who did well made a well organised presentation. They covered the topic area comprehensively to make it lively and interesting. They used topic appropriate vocabulary, simple and some complex grammatical structures to present ideas, opinions and facts. Their pronunciation and intonations were good. Weaker responses tended to use English words frequently.

Part 2: Topic Conversation

This part of the Speaking Test is designed to stretch and challenge the candidates on their prepared topic. It should not be a repetition of the Presentation. Ideally, the questions should be well thought out to achieve this objective. Some of the questions fell in the category of repetition of the Presentation.

The overall performance was good to very good. Most candidates responded spontaneously and thoughtfully. They used sufficient range of precise vocabulary and errors did not impede communication. The questions were generally relevant for the topic and age of the candidates. They are expected to respond without any prompting from the examiner, but this was not followed consistently. General knowledge questions and questions which can be answered by one word (Yes/No) should be avoided in this section.

Part 3: General Conversation

This part of the Speaking test assesses the conversational skills and fluency in Hindi. The guidelines to choose one topic from areas A to B and another one from C to E need to be followed consistently. Instead of following the syllabus, some candidates were asked what they would like to talk about. General conversation topics cannot be a repetition of the Presentation. This part of the Speaking Test needs to be structured carefully in line with the Syllabus. In order to provide the candidates a fair opportunity to show their true ability to use Hindi in an interactive situation, it is important to resist from prompting or summing up for them. Questions need to be planned with a view to provide opportunity to use a range of grammatical structures including a variety of tenses and some complex sentences to express ideas and opinions.

हिंदी दूसरी भाषा के रूप में

Paper 0549/03

संभाषण परीक्षा

मुख्य संदेश

संभाषण परीक्षा एक वैकल्पिक घटक है और इसके तीन भाग हैं:

भाग 1: पाठ्यक्रम में निर्धारित विषयों की सूची में से चुने गए विषय पर परीक्षार्थी द्वारा 2-3 मिनट की एक प्रस्तुति। परीक्षार्थी परीक्षा कक्ष में लाने के लिए अधिकतम पाँच शीर्षकों और कुछ चित्र आदि के उदाहरण वाला एक क्यू कार्ड तैयार कर सकते हैं। उनको प्रस्तुति के लिए कोई अतिरिक्त लिखित मदद या लेख लाने की अनुमति नहीं है।

भाग 2: परीक्षार्थियों की विषय संबंधित जानकारी का और आकलन करने के लिए परीक्षक के साथ प्रस्तुति के विषय से संबंधित 3-4 मिनट की पारस्परिक परिचर्चा।

भाग 3: परीक्षार्थी का परीक्षक के साथ पाठ्यक्रम से कम से कम दो सामान्य विषयों पर (एक विषय पाठ्यक्रम के विषय खंड ए-बी से और एक विषय खंड सी-ई से) 3-4 मिनट का वार्तालाप। परीक्षार्थी को विषय की पूर्व सूचना/चयन के अवसर नहीं दिए जाते हैं।

सामान्य टिप्पणियाँ

इस वर्ष की परीक्षा में अधिकांश परीक्षार्थियों ने संभाषण परीक्षा में अच्छे प्रस्तुति दी। जिन परीक्षार्थियों की प्रस्तुति अच्छी थी वे तीन भाग की परीक्षा के लिए अच्छी तरह से तैयार थे और निर्धारित दिशानिर्देशों का पालन किया गया था। यदि एक केंद्र से बड़ी संख्या में परीक्षार्थी होते हैं और एक से अधिक आंतरिक परीक्षक आकलन प्रक्रिया में लगे होते हैं, तो उनके तरीकों में सामंजस्य होना महत्वपूर्ण है। कुछ परीक्षकों ने परीक्षार्थियों का परिचय दिया, तीन-भाग की परीक्षा की संरचना की व्याख्या की और उन्हें किसी संकेत, रुकावट या उनके वाक्यों को पूरा करने का प्रयास किए बिना अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का अवसर दिया। परीक्षकों का इस प्रकार का व्यवहार सर्वोत्तम अभ्यास का उदाहरण है।

संभाषण की रिकॉर्डिंग की गुणवत्ता समान रूपा से अच्छी थी।

विशिष्ट प्रश्नों पर टिप्पणियाँ

भाग 1: विषय प्रस्तुति

अच्छी प्रस्तुति करने वाले परीक्षार्थियों की प्रस्तुति सुव्यवस्थित थी। उन्होंने विषय-वस्तु को विस्तार पूर्वक प्रस्तुत करके उसे जीवंत और रोचक बनाया। उन्होंने अपने विचारों, भावनाओं और तथ्यों को प्रस्तुत करने के लिए विषय-उपयुक्त शब्दावली, सरल और कुछ जटिल व्याकरणिक संरचनाओं का उपयोग किया। उनका उच्चारण और ध्वनि अच्छे थे। कमजोर प्रस्तुतियों में बार-बार अंग्रेजी शब्दों का प्रयोग करने की प्रवृत्ति रही।

भाग 2: विषय वार्तालाप

संभाषण परीक्षा के इस भाग का उद्देश्य परीक्षार्थियों से उनके चुने हुए विषय पर प्रश्न पूछ कर उससे संबंधित विस्तृत जानकारी का आकलन करना है। इस भाग में प्रथम भाग की प्रस्तुति की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए। आदर्श रूप से, इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए प्रश्नों को अच्छी तरह से सोचा जाना चाहिए ताकि प्रस्तुति में कही गई बातें दोहराई न जाएँ। कुछ पूछे गए प्रश्न भाग 1 की प्रस्तुति की पुनरावृत्ति की श्रेणी में आते हैं।

कुल मिलाकर परीक्षार्थियों का प्रदर्शन अच्छा / बहुत अच्छा था। अधिकांश परीक्षार्थियों ने अनायास और सोच-समझकर जवाब दिए। उन्होंने पर्याप्त मात्रा में सटीक शब्दावली का उपयोग किया और त्रुटियों ने अभिव्यक्ति को बाधित नहीं किया। प्रश्न आम तौर पर परीक्षार्थियों के विषय और उम्र के लिए प्रासंगिक थे। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे परीक्षक से बिना किसी सहायता के उत्तर दें, लेकिन इसका लगातार पालन नहीं किया गया। सामान्य ज्ञान के प्रश्न और ऐसे प्रश्न जिनका उत्तर एक शब्द (हाँ/नहीं) में दिया जा सकता है, उनसे इस खंड में बचना चाहिए।

भाग 3: सामान्य बातचीत

संभाषण परीक्षा का यह भाग हिंदी में संवाद-कौशल और प्रवाह का आकलन करता है। सामान्य बातचीत के लिए एक विषय को खंड ए से बी और दूसरे को सी से ई में से चुनने के पाठ्यक्रम के निर्देशों का लगातार पालन करने की आवश्यकता है। पाठ्यक्रम का पालन करने के बजाय, कुछ उम्मीदवारों से पूछा गया कि वे किस बारे में बात करना चाहेंगे। सामान्य बातचीत के विषय प्रस्तुति की पुनरावृत्ति नहीं हो सकते। संभाषण परीक्षा के इस भाग को पाठ्यक्रम के अनुरूप सावधानीपूर्वक संरचित करने की आवश्यकता है। परीक्षार्थियों को एक संवादात्मक स्थिति में हिंदी का उपयोग करने की अपनी वास्तविक क्षमता दिखाने का उचित अवसर प्रदान करने के लिए, उनके लिए परीक्षक द्वारा अधूरे वाक्य पूरा करने या निष्कर्ष निकालने से बचना आवश्यक है। प्रश्नों की संरचना में इस बात का ख्याल रखना आवश्यक है कि उनका उत्तर देने के लिए परीक्षार्थी को अपने विचार व्यक्त करते समय विभिन्न काल और कुछ संश्लिष्ट वाक्यों का उपयोग करने का अवसर मिले।